4 राजस्थान की प्रमुख छतरियाँ

1. नैड़ा की छतरियाँ कहाँ पर स्थित है ?
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) अलवर (4) करौली (3)

2. संत पीपा की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) टोडारायसिंह (2) समदड़ी
(3) झालावाड़ (4) गागरोन (4)

3. जयमल राठौड़ की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) बूँदी (2) जैसलमेर
(3) चितौड़गढ़ (4) मेड़ता (3)

4. सवाई ईश्वरी सिंह की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) अलवर (4) करौली (1)

व्याख्या– जयपुर के सिटी पैलेस में जयनिवास उद्यान में सवाई ईश्वरी सिंह की छतरी का निर्माण सवाई माधोसिंह प्रथम ने करवाया था।

5. बन्जारे की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) लालसौट (दौसा) (2) डीग (भरतपुर)
(3) सरिस्का (अलवर) (4) हिंडौन (करौली) (1)

6. अलवर की 80 खम्भों की छतरी अन्य किस नाम से जानी जाती है?
(1) पालीवालों की छतरी (2) मुसी महारानी की छतरी
(3) विनयसिंह की छतरी (4) बख्तावर सिंह की छतरी (2)

व्याख्या– 80 खम्भों की छतरी अलवर में स्थित है। इसका निर्माण महाराजा विनय सिंह ने 1815 ई. में मुसी महारानी की स्मृति में करवाया था। यह दो मंजिला छतरी है।

7. महाराणा प्रताप की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) बाण्डोली (उदयपुर) (2) चावण्ड (उदयपुर)
(3) वलीचा (राजसमंद) (4) गोगुन्दा (उदयपुर) (1)

व्याख्या– उदयपुर में चावंड के निकट बाण्डोली में केजड़ बांध की पाल पर बनी है। इसका निर्माण महाराणा अमरसिंह प्रथम ने करवाया था।

8. अमरसिंह राठौड़ की छतरी कहाँ पर स्थित है ?
(1) जोधपुर (2) जैसलमेर
(3) नागौर (4) मेड़ता (3)

व्याख्या– नागौर दुर्ग में अमरसिंह राठौड़ की 16 खम्भों की छतरी बनी हुई है।

9. उड़ना कुंवर पृथ्वीराज की छतरी कहाँ पर स्थित है?
(1) आमेर (2) अजमेर
(3) चितौड़गढ़ (4) कुंभलगढ़ (4)

व्याख्या– महाराणा रायमल के पुत्र कुंवर पृथ्वीराज की 12 खंभों की छतरी कुम्भलगढ़ दुर्ग के अंदर बनी है। यहाँ लगे लेख पर इनके साथ 17 रानियों के सती होने का उल्लेख है, इस छतरी का सूत्रधार 'धणष पना' था।

10. चेतक की छतरी कहाँ पर स्थित है?
(1) बाण्डोली (उदयपुर) (2) चावण्ड (उदयपुर)
(3) वलीचा (राजसमंद) (4) गोगुन्दा (उदयपुर) (3)

11. गैटोर की छतरियाँ कहाँ पर स्थित हैं?
(1) जयपुर (2) भरतपुर
(3) अलवर (4) करौली (1)

व्याख्या– नाहरगढ़ दुर्ग की तलहटी में बनी गैटोर की छतरियाँ जयपुर के शासकों का निजी श्मशान घाट है। जिसमें सवाई जयसिंह से लेकर सवाई माधोसिंह द्वितीय तक के राजाओं एवं उनके पुत्रों की स्मृति में बनी छतरियाँ है।

12. 32 खम्भों की छतरी, जो न्याय की छतरी भी कहलाती है, कहाँ पर स्थित है?
(1) बूँदी (2) रणथम्भौर
(3) अलवर (4) कोटा (2)

13. बड़ा बाग की छतरियाँ कहाँ पर स्थित हैं?
(1) बूँदी (2) जैसलमेर
(3) चितौड़गढ़ (4) मेड़ता (2)

व्याख्या– जैसलमेर के बड़ा बाग में यहाँ के भाटी शासकों की छतरियाँ बनी हैं। महारावल जैतसिंह ने यहाँ 1585 ई. में जैतसर सरोवर व बड़ा बाग का निर्माण करवाया।

14. आमेर के शासक मानसिंह प्रथम की छतरी कहाँ पर स्थित है?
(1) आमेर (जयपुर) (2) गेटोर (जयपुर)
(3) हाड़ीपुरा (जयपुर) (4) कोटपुतली (जयपुर) (3)

व्याख्या– आमेर के राजा मानसिंह प्रथम की छतरी है जो आमेर से 2 किमी. दुरी पर स्थित हाड़ीपुरा में बनी है। इस छतरी पर बने चित्र जहाँगीर कालीन है।

15. मुसी महारानी की छतरी का निर्माण किसने करवाया था?
(1) अनिरूद्ध सिंह (2) विनयसिंह
(3) माधोसिंह (4) बख्तावर सिंह (2)

16. महाराणा प्रताप की छतरी कितने खम्भों की हैं–
(1) 16 (2) 12
(3) 8 (4) 32 (3)

व्याख्या– महाराणा प्रताप की छतरी चावण्ड के निकट बाण्डोली गाँव में केजड़ बाँध की पाल पर बनी है। इसका निर्माण अमरसिंह प्रथम ने करवाया था।

17. थानेदार नाथुसिंह की छतरी कहाँ स्थित हैं?
(1) शाहबाद (बांरा) (2) बयाना (भरतपुर)
(3) मण्डोर (जोधपुर) (4) बस्सी (चित्तौड़गढ़) (1)

व्याख्या– 1932 ई. में डाकुओं से मुकाबला करते शहीद हुए। इस छतरी का निर्माण कोटा महाराव उम्मेद सिंह ने करवाया था।

18. क्षारबाग की छतरी कहाँ स्थित हैं?
(1) बूँदी (2) जैसलमेर
(3) कोटा (4) जोधपुर (3)

व्याख्या– यहाँ कोटा के हाड़ा शासको की छतरियाँ है।

19. घासफूस की छतरी कहाँ स्थित है?
(1) कोटा (2) झालावाड़
(3) बूँदी (4) जयपुर (3)

Bhindhwal Publication

20. निम्न में से कौनसा कथन असत्य है–
(1) पंचकुण्ड की छतरियाँ मंडोर (जोधपुर) में स्थित है।
(2) सवाई ईश्वरसिंह की छतरी जयनिवास उद्यान (जयपुर) में स्थित है।
(3) उड़ना पृथ्वीराज की छतरी रणथम्भोर (सवाई माधोपुर) में स्थित है।
(4) थानेदार नाथूसिंह की छतरी शाहबाद (बारां) में स्थित है। (3)

21. निम्न में से कौनसा कथन सही है–
(1) 80 खम्भों की छतरी को 'मूसी रानी छतरी' भी कहा जाता है।
(2) रणथम्भोर अभयारण्य में कुक्कुर घाटी में कुत्ते की छतरी स्थित है।
(3) 84 खम्भों की छतरी देवपुरा (बूँदी) में स्थित है।
(4) उपर्युक्त सभी कथन सत्य है। (4)

22. बख्तावर सिंह की छतरी कहाँ पर स्थित है?
(1) जोधपुर (2) बीकानेर
(3) नागौर (4) भीलवाड़ा (1)

व्याख्या– अलवर के महाराजा बख्तावर सिंह जयपुर के शासक जगतसिंह के साथ जोधपुर के शासक मानसिंह से युद्ध करने गए थे, जहाँ पर वीरगति को प्राप्त हो गए थे, उन्ही की याद में मंडोर में यह छतरी बनी है। बख्तावर सिंह की एक अन्य छतरी अलवर में भी स्थित है।

23. निम्न में से कौनसा कथन असत्य है–
(1) जगन्नाथ कछवाहा की छतरी मांडल (भीलवाड़ा) में स्थित है।
(2) रणथम्भोर में 32 खम्भों की छतरी का निर्माण हम्मीरदेव चौहान ने करवाया था।
(3) जयप्पा सिंधिया की छतरी ताउसर (नागौर) में है।
(4) गफूर बाबा की छतरी गागरोन में स्थित है। (4)

व्याख्या– गफूर बाबा की छतरी उदयपुर में स्थित है। इसका निर्माण शाहजहाँ ने गफूर बाबा के सम्मान में जगमंदिर के समीप करवाया था।

24. निम्नलिखित युग्मों को सही सुमेलित कीजिए –

छतरियाँ	निर्माता
(A) 32 खम्भों की छतरी	(1) राजा अनिरूद्ध सिंह
(B) 80 खम्भों की छतरी	(2) हम्मीर देव चौहान
(C) 84 खम्भों की छतरी	(3) विनय सिंह
(D) महाराणा प्रताप की छतरी	(4) अमरसिंह प्रथम

	A	B	C	D	
(1)	2	3	1	4	
(2)	1	3	2	4	
(3)	1	3	2	4	
(4)	2	4	1	3	(1)

25. महाराणा कुम्भा की पुत्री के विवाह में बनी 4 खम्भों की 'शृंगार चंवरी' कहाँ स्थित है?
(1) जावर (उदयपुर) (2) कुम्भलगढ़ दुर्ग
(3) आहड़ (उदयपुर) (4) चित्तौड़गढ़ दुर्ग (4)

26. महादजी सिंधिया की पत्नी गंगाबाई की छतरी कहाँ पर स्थित है?
(1) गंगापुर (भीलवाड़ा) (2) किशनगढ़ (अजमेर)
(3) देवली (टोंक) (4) बैराठ (जयपुर) (1)

व्याख्या– महादजी सिंधिया की पत्नी गंगाबाई उदयपुर से आ रही थी तो गंगापुर में उनकी मृत्यु हो गई थी। उन्हीं की स्मृति में यह छतरी बनी है। इसका निर्माण महादजी सिंधिया ने करवाया था।

27. निम्न में से असुमेलित युग्म का चयन कीजिए–
(1) अमरगढ़ की छतरियाँ – बागोर (भीलवाड़ा)
(2) जयप्पा सिंधिया की छतरी– जहाजपुर (भीलवाड़ा)
(3) जोधसिंह की छतरी– बदनोर (भीलवाड़ा)
(4) रसिया की छतरी– टोंक (2)

व्याख्या– जयप्पा सिंधिया की छतरी ताऊसर (नागौर) में स्थित है।

28. कोटा–बूँदी मार्ग पर देवपुरा गाँव के निकट 1683 में निर्मित छतरी के स्तम्भों की संख्या कितनी है?
(1) 80 (2) 84
(3) 32 (4) 16 (2)

29. 84 खंभों की छतरी के बारे में कौनसा कथन असत्य है–
(1) इस छतरी का निर्माण राव विष्णुसिंह के काल में राव देवा द्वारा करवाया गया था।
(2) इस छतरी का निर्माण राव अनिरुद्ध सिंह के काल में राव देवा द्वारा कराया गया था।
(3) यह छतरी बूँदी के पास देवपुरा गाँव में स्थित है।
(4) इसका निर्माण 1683–1695 के मध्य कराया गया था। (1)

30. निम्नलिखित में से असत्य कथन की पहचान कीजिए–
(1) रसिया की छतरी टोंक में स्थित है।
(2) राणा सांगा की छतरी माण्डलगढ़ (भीलवाड़ा) में स्थित है।
(3) क्षारबाग की छतरियाँ कोटा में स्थित है।
(4) कुत्ते की छतरी करौली में स्थित है। (4)

व्याख्या– कुत्ते की छतरी रणथम्भौर अभयारण्य में कुक्कुर घाटी में स्थित है।

Dhindhwal Publication

तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती मुख्य परीक्षा– 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें–

धींधवाल पब्लिकेशन की उपरोक्त पुस्तकें राजस्थान के सभी शहरों में प्रमुख बुक स्टोर पर उपलब्ध हैं। ऑनलाईन ऑर्डर कर घर बैठे मंगवाने के लिए मोबाईल नंबर 7725969600 (कानाराम जी) पर फोन या वाट्सअप मैसेज करें।